https://www.khaskhabar.com/local/delhi-ncr/delhi-news/news-msme-is-development-oriented-it-needs-to-be-strengthened---narayan-rane-news-hindi-1-509995-KKN.html

एमएसएमई विकास मूलक है इसे मजबूत करने की आवश्यकता है - नारायण राणे

khaskhabar.com : मंगलवार, 29 मार्च 2022 5:11 PM

facebook twitter google

नई दिल्ली । केन्द्रीय सूक्ष्म लघु और मध्यम उध्यम मंत्री नारायण राणे के नई दिल्ली में एमएसएमई मंत्रालय और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान(श्री) द्वारा 'एमएसएमई में प्रतिस्पर्धात्मकता और विकास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय मेगा अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री

भानु प्रताप सिंह वर्मा और ईरान सरकारके प्रतिनिधि गण विशिष्ट अतिथि थे।

समारोह में ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने बताया कि दो दिवसीय यह मेगा शिखर सम्मेलन एमएसएमई मंत्रालय और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) अहमदाबाद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में भारत, सिंगापुर, पेरू, लाओ पीडीआर, रवांडा, म्यांमार,रूस, उजबेकिस्तान, स्पेन और ईरान आदि देशों के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे। शिखर सम्मेलन में दुनिया भर से उद्यमियों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, उद्योग क्षेत्र से जुड़े थिंक लीडर्स, व्यापार, उद्योग संघ, स्टार्टअप, सामाजिक प्रभाव संगठन, एमएसएमई और स्व-सहायता समूहों के प्रतिनिधि गण भाग ले रहें है।

सम्मेलन में बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे ने कहा कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में एमएसएमई के महत्व पूर्ण योगदान को नकारा नही जा सकता है । उन्होंने कहा कि लंबे समय से एमएसएमई न्यूनतम संसाधनों के मध्य काम कर रहे हैं, फिर भी वे देश के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि विकास मूलक लघु मध्यम और सूक्ष्म उध्यम और अधिक मजबूत बने । हालाँकि इस दिशा में महत्वपूर्ण सामूहिक प्रयास किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं द्वारा एमएसएमई के लिए नए रास्ते खोलने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि एमएसएमई क्षेत्र को वित्तीय संस्थानों, विकास और आधुनिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी सहायता, निर्यात बाजारों तक पहुंच, बुनियादी ढांचे की सुविधा, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सुविधा और कार्यबल के कल्याण के लिए एक निर्विवाद क्रेडिट प्रवाह प्राप्त होता रहें। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने अपने संबोधन में कहा, "भारत, उद्यमिता, स्टार्ट-अप, नवाचार और एमएसएमई पर ध्यान केंद्रित कर रही है।कोविड महामारी में भी एमएसएमई ने देश के आर्थिक विकास की गति को कम नही होने दिया जोकि इसकी प्रासंगिकता की गवाही है । उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र में वृद्धि से यह स्पष्ट है कि देश में कई तरीकों से इस दिशा में काम हो रहा है। इसके पीछे जो प्राथमिक कारण है , वे मोदी सरकार द्वारा सार्वजनिक नीति में प्रगतिशील परिवर्तन करना है।

इस अवसर पर बोलते हुए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने कहा कि ईडीआईआई क्लस्टर विकास, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नीति वकालत के तहत कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर एमएसएमई मंत्रालय से निकटता से जुड़ा हुआ है। हम रणनीतियों के साथ एमएसएमई क्षेत्र में अधिक विस्तार की उम्मीद करते हैं।

दो दिन के शिखर सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञ एमएसएमई के विकास और वृद्धि,अनुकूल नीतियों की भूमिका और एमएसएमई में गैर-वित्तीय व्यापार विकास सेवाओं में एमएसएमई क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे और प्रतिस्पर्धात्मकता युग में कैसे एमएसएमई स्थिरता प्राप्त करने की कसौटियों पर खरा उतर कर काम कर सकता है आदि विषयों पर गहन विचार विमर्श करेंगे। एमएसएमई की विशेष पैनल चर्चा एमएसएमई,प्रतिस्पर्धात्मकता,प्रौद्योगिकी और नवाचार के अंतर्राष्ट्रीयकरण, एमएसएमई के डिजिटल परिवर्तन, उद्यमिता पारिस्थितिक तंत्र के डिजिटल परिवर्तन और एमएसएमई क्षेत्र में वंचित समुदायों के लिए उभरते अवसरों पर भी चर्चा की जायेंगी।